

पार-देशीय संगठित अपराध

प्रलिस के लयः

[वत्तीय काररवाई कारर बल \(FATF\)](#), [डरगस और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र काररालय](#), पार-देशीय संगठित अपराध, भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र, पार-देशीय संगठित अपराध के वरुद्ध संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन, [साइबर अपराध](#)

मेन्स के लयः

पार-देशीय संगठित अपराध का प्रभाव और नयंत्रण में चुनौतयों, साइबर अपराध और उनके प्रभाव, अंतरराष्ट्रीय सहयोग, मनी लॉन्डरग

[स्रोत: द हदु](#)

चर्चा में कयों?

हाल ही में [वत्तीय काररवाई कारर बल \(Financial Action Task Force- FATF\)](#), [इंटरपोल](#) तथा [डरगस और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र काररालय \(United Nations Office on Drugs and Crime- UNODC\)](#) के प्रमुखों ने पार-देशीय संगठित अपराध (Transnational Organised Crime- TOC) से उत्पन्न बड़े पैमाने पर अवैध मुनाफे को लक्षित करने के प्रयासों को तेज करने की तत्काल आवश्यकता पर ज़ोर दया है।

- इसके अतरिकित गृह मंत्रालय (Ministry of Home Affairs- MHA) के तहत एक प्रभाग, [भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र \(Indian Cyber Crime Coordination Centre- I4C\)](#) के हालया खुलासे ने भारतीय नागरकों को नशाना बनाने वाले [साइबर अपराध](#) के बढ़ते जोखमि पर प्रकाश डाला है।

पार-देशीय संगठित अपराध क्या है?

- प्रचयः** संगठित अपराध को एक साथ काम करने वाले समूहों या नेटवर्क द्वारा की जाने वाली अवैध गतवधियों के रूप में परभाषित कया गया है, जसमें अकसर वत्तीय या भौतिक लाभ प्राप्त करने के लयः हसिा, भ्रष्टाचार या संबंधित कारर शामिल होते हैं।
 - पार-देशीय संगठित अपराध (Transnational Organised Crime- TOC) तब घटित होता है जब गतवधियों या समूह कई देशों में संचालित होते हैं।
- अलग-अलग रूपः**
 - धन शोधन/मनी लॉन्डरगः** इसका अभपिराय अवैध रूप से अर्जति आय को छपाना या उसके स्रोतों को बदलना है ताक वध वैध स्रोतों से उत्पन्न प्रतीत हो। अपराधी, आपराधिक गतवधियों से प्राप्त आय को कानूनी स्रोत के माध्यम से वैध धन में परिवर्तित कर देते हैं।
 - एक वर्ष में वैश्विक स्तर पर [मनी लॉन्डरग](#) की अनुमानित राशा वैश्विक [सकल घरेलू उत्पाद \(Gross Domestic Product- GDP\)](#) का 2% से 5% या 800 बलियन अमेरिकी डॉलर से 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है।
 - नशीले पदार्थों की तस्करीः** यह अपराधियों के लयः व्यवसाय का सबसे आकर्षक रूप बना हुआ है।
 - अनुमान है क वैश्विक [नशीले पदार्थों की तस्करी](#) लगभग 650 अरब अमेरिकी डॉलर की है, जो कुल अवैध अर्थव्यवस्था में 30% का योगदान करती है।
 - मानव तस्करीः** एक वैश्विक अपराध जहाँ पुरुषों, महिलाओं और बच्चों का उपयोग यौन या शर्म-आधारित शोषण के लयः कया जाता है।
 - वशिव भर में [मानव तस्करी](#) से होने वाला वार्षिक लाभ लगभग 150 बलियन डॉलर है।
 - ये वशिव भर में अनुमानित 25 मलियन लोगों को शकित बनाते हैं, जनिमें से 80% जबरन शर्म और 20% यौन तस्करी में शामिल हैं।
 - प्रवासियों की तस्करीः** यह एक सुव्यवस्थित व्यवसाय है जो तस्करी द्वारा लोगों को आपराधिक नेटवर्क, समूहों और मार्गों के माध्यम से वशिव भर में ले जाता है।
 - वर्ष 2009 में लैटिन अमेरिका से उत्तरी अमेरिका में 3 मलियन प्रवासियों की [अवैध तस्करी](#) के माध्यम से तस्करी ने 6.6 बलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक कमाए थे।
 - अवैध आग्नेयास्त्रों की तस्करीः** इसमें हथियारों, वस्फोटकों और गोला-बारूद के अवैध व्यापार की तस्करी शामिल है, जो अकसर

पार-देशीय आपराधिक संगठनों से जुड़ी अवैध गतिविधियों की एक वसितृत शृंखला का हिससा होता है।

- आग्नेयास्त्रों के अवैध व्यापार से वैश्विक स्तर पर लगभग 170 मिलियन डॉलर से 320 मिलियन डॉलर की वार्षिक आय होती है।
- **प्राकृतिक संसाधनों की तस्करी:** इसमें खनजि और ईंधन जैसे **गैर-नवीकरणीय संसाधनों** तथा वन्यजीवन (वदेशी बाज़ारों में नरियात के लिये चमड़ा व शरीर के अंग), वानिकी एवं मत्स्य पालन जैसे **नवीकरणीय संसाधनों (Renewable Resources)** आदिका व्यापार शामिल है।
 - अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा इस व्यापार को अक्सर "**पर्यावरणीय अपराध**" कहा जाता है।
 - वर्ष 2010 में सरिफ एशिया में **हाथी के दाँत, गैंडे के सींग** और **बाघ** के अंगों की बिक्री अनुमानित 75 मिलियन अमेरिकी डॉलर की थी।
- **नकली दवाएँ:** इनमें नकली दवाएँ तथा **कानूनी और वनियमिती आपूर्ति शृंखलाओं** से हटाई गई दवाएँ भी शामिल हैं।
 - लोगों के स्वास्थ्य को बेहतर करने के बजाय, **नकली दवाओं (Fraudulent Medicines) के सेवन से रोगियों की मृत्यु हो सकती है या घातक संक्रामक रोगों के इलाज के लिये उपयोग** की जाने वाली दवाओं के प्रति प्रतिरोध उत्पन्न हो सकता है।
- **साइबर अपराध और पहचान की चोरी:** अपराधी नज्जी डेटा चुराने, बैंक खातों तक पहुँचने और धोखाधड़ी से भुगतान कार्ड वविरण प्राप्त करने के लिये इंटरनेट का उपयोग करते हैं।

भारतीय नागरिकों को नशाना बनाने वाले साइबर अपराध:

- **साइबर अपराध की घटनाओं में वृद्धि:** 14C प्रतिदिन औसतन लगभग **7,000 साइबर-संबंधी शकियतों** की रिपोर्ट करता है, जो साइबर अपराध की घटनाओं में होने वाली उल्लेखनीय वृद्धि का संकेत देता है।
 - **डिजिटल गरिफ्तारी**, व्यापारिक घोटाले, नविश घोटाले और डेटिंग घोटाले सहित वभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों की पहचान की गई है, जो साइबर अपराधियों द्वारा अपनाई गई वविधि रणनीतिको उजागर करते हैं।
- **दक्षिण पूर्व एशिया में उत्पत्ति:** भारतीय नागरिकों को नशाना बनाने वाले लगभग **45% साइबर अपराध दक्षिण पूर्व एशियाई देशों**, विशेष रूप से कंबोडिया, म्याँमार और लाओस में घटित होते हैं।

पार-देशीय संगठित अपराध का प्रभाव क्या है?

- **वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य:** नकली दवाएँ, विशेष रूप से नमिन और मध्यम आय वाले देशों में प्रचलित, अप्रभावी या हानिकारक हो सकती हैं।
 - **वशिव स्वास्थ्य संगठन (World Health Organization- WHO)** का अनुमान है कि **नकली या घटिया दवाओं से प्रतिवर्ष 1 मिलियन से अधिक लोगों की मृत्यु हो जाती है**, जिनमें से 200,000 मृत्यु केवल अफ्रीका में होती हैं।
- **समुत्थानति एवं समावेशी वैश्विक अर्थव्यवस्था:** धन शोधन और अवैध ववित्तीय प्रवाह ववित्तीय अखंडता तथा राज्य की सार्वजनिक ववित्तपोषण क्षमताओं को कमजोर करते हैं, जिससे आर्थिक विकास बाधित होता है।
 - **TOC, वदेशी मुद्रा भंडार (Foreign Exchange Reserves)** को समाप्त कर सकता है और परसिंपत्त की कीमतों को प्रभावित कर सकता है, जिससे आर्थिक स्थिरता प्रभावित हो सकती है।
 - वैश्विक अपतटीय अर्थव्यवस्था **वशिव की** अनुमानित **10% संपत्तिको** छुपाती है, जिसमें संगठित अपराध द्वारा प्राप्त आय भी शामिल है।
- **ग्रह स्वास्थ्य:** संगठित पर्यावरणीय अपराध **वनोन्मूलन, जैववविधिता हाना और जलवायु परिवर्तन** में योगदान देने वाले **कार्बन उत्सर्जन** को बढ़ावा देते हैं।
 - **सथैतिक रेफ्रिजरेट्स (Synthetic Refrigerants)**, HFC का अवैध उत्पादन और तस्करी **मॉन्टरथिल प्रोटोकॉल** को कमजोर कर जलवायु परिवर्तन में योगदान कर सकती है।
 - **पर्यावरणीय अपराधों** को परभाषित करने और अपराधीकरण पर सर्वसम्मतिका अभाव अपराधियों को प्रवर्तन प्रयासों से बचने में सक्षम बनाता है।
- **अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा:** अवैध हथियारों का व्यापार सशस्त्र संघर्ष, हसिक अपराधों और अन्य संगठित आपराधिक गतिविधियों को बढ़ावा देते हैं।
 - गैर-राज्य सशस्त्र समूह **प्राकृतिक संसाधन नषिकरण और तस्करी** सहित अपनी गतिविधियों का समर्थन करने के लिये अवैध बाज़ारों में संलग्न हैं।
 - सशस्त्र संघर्षों की तुलना में संगठित अपराध-संबंधी हसिा में खासकर मध्य और दक्षिण अमेरिका में अधिक लोग मारे जाते हैं।
- **स्थानीय प्रभाव:** हालाँकि, अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध एक वैश्विक खतरा है, लेकिन इसका प्रभाव स्थानीय स्तर पर अनुभव किया जाता है।
 - यह संबंधित देशों और कुछ क्षेत्रों में भी अस्थिरता उत्पन्न कर सकता है तथा उन क्षेत्रों में विकास सहायता को कमजोर कर सकता है।
 - संगठित अपराध समूह स्थानीय अपराधियों के साथ मलिकर काम कर सकते हैं, जिससे **भ्रष्टाचार, जबरन वसूली, डकैती और हसिा** के साथ-साथ अन्य परषिकृत अपराधों में वृद्धि हो सकती है।
 - यह **सुरक्षा और पुलसि व्यवस्था के लिये सार्वजनिक व्यय** को बढ़ाता है तथा मानवाधिकार मानकों को कमजोर करता है।

अवैध लाभ को लक्षति करना क्यों महत्त्वपूर्ण है?

- **सतत विकास लक्ष्य:** अवैध लाभ को लक्षति करके आपराधिक गतिविधियों को हतोत्साहित करने सेववित्तीय स्थिरता, समावेशी आर्थिक विकास और मज़बूत संस्थानों तथा शासन सहित **2030 सतत विकास एजेंडा** के लक्ष्यों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

- **आपराधिक गतिविधियों को बाधति करता है:** अवैध गतिविधियों से वित्तीय लाभ को लक्ष्य करने से, **अपराधियों के लिये अपने कार्यों को वित्तपोषित करना** तथा अपने नेटवर्क को बनाए रखना अधिक कठिन हो जाता है।
 - अवैध लाभ प्रायः अन्य अवैध गतिविधियों को बढ़ावा देता है। इन कोषों में कटौती करने से **भवविषय में अपराधों को नयित्तरति करने** में सहायता मिलती है।
- **वधि के शासन को बढ़ावा देता है:** **वधि के शासन** को बनाए रखने और यह दिखाने के लिये कि अपराध लाभदायक नहीं है, अवैध रूप से अर्जति लाभ को जब्त किया जाना चाहिये।
- **विकास लक्ष्यों में सहायता:** अवैध धन को वैध उद्देश्यों की ओर पुनर्निर्देशित करने से आर्थिक विकास तथा अन्य विकासात्मक पहलों को समर्थन मिल सकता है।
- **वैश्विक सुरक्षा को बढ़ावा देता है:** धन शोधन तथा आतंकवाद का वित्तपोषण **अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा** के लिये जोखिम उत्पन्न करता है। अवैध लाभ को लक्ष्य करने से इन जोखिमों से निपटने में सहायता मिल सकती है।
- **सुभेद्य जनसंख्या की सुरक्षा:** अवैध लाभ से वित्तपोषित आपराधिक गतिविधियाँ अक्सर सबसे कमजोर वर्ग के लोगों का शोषण करती हैं। इन मुनाफों को लक्ष्य करके, हम इनकी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं।
- **अंतरराष्ट्रीय सहयोग:** यह पार-देशीय संगठित अपराधों और आतंकवाद के वित्तपोषण को समाप्त करने में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग करता है।

TOC को नयित्तरति करने के संबंध में क्या चुनौतियाँ हैं?

- **विविध कानूनी प्रणालियाँ:** विभिन्न देशों में कानूनी ढाँचों में भिन्नताएँ TOC से निपटने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों को जटिल बनाती हैं।
- **सर्वसममता का अभाव:** अलग-अलग राष्ट्रीय हितों और प्राथमिकताओं के कारण TOC को संबोधित करने की रणनीतियों पर वैश्विक सहमति प्राप्त करना कठिन है।
 - **पार-देशीय संगठित अपराध के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (UN Convention Against Transnational Organized Crime- UNTOC)** मुख्य कानूनी साधन है, लेकिन इसका कार्यान्वयन और सहयोग व्यवस्था अप्रभावी है।
 - UNODC और अन्य निकायों में एक सुसंगत रणनीतिका अभाव है, जो अनेक भागों में विभाजित दृष्टिकोण को अपना रहा है।
 - शक्तिशाली राज्य अनौपचारिक और एकपक्षीय समाधान की आशा रखते हैं, जिनमें अक्सर नरीक्षण की कमी होती है तथा वधि के शासन और मानवाधिकारों के लिये चुनौतियाँ उत्पन्न होती हैं।
- **भ्रष्टाचार:** TOC में अक्सर भ्रष्टाचार शामिल होता है, जो कानून प्रवर्तन और शासन संरचनाओं में घुसपैठ करता है तथा उन्हें कमजोर करता है।
- **तकनीकी प्रगतियाँ:** अपराधी अवैध गतिविधियों के लिये प्रौद्योगिकी का दोहन करते हैं तथा कानून प्रवर्तन एजेंसियों आगे रहते हैं।
- **सशस्त्र संघर्ष:** संघर्ष के क्षेत्रों में TOC हस्तांतरित और अस्थिरता को बढ़ावा दे सकता है, जिससे इसे नयित्तरति करने के प्रयास जटिल हो सकते हैं।
 - एक बड़ा खतरा TOC और आतंकवाद के बीच संबंधों से उत्पन्न होता है, जब आतंकवादी गतिविधियों को आपराधिक कमाई से वित्तपोषित किया जाता है।

संगठित अपराध पर भारत में कानूनी स्थिति:

- हालाँकि संगठित अपराध भारत में हमेशा से मौजूद रहा है, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में आधुनिक सफलताओं ने कई सामाजिक-आर्थिक एवं राजनीतिक कारकों के साथ मलिकर, इसे और अधिक प्रचलित बना दिया है।
- राष्ट्रीय स्तर पर, भारत में संगठित अपराध को संबोधित करने के लिये एक विशिष्ट कानून का अभाव है, और **राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम 1980** तथा **नारकोटिक ड्रग्स और साइकोट्रोपिक पदार्थ अधिनियम 1985** जैसे मौजूदा कानून इसके नयित्तरण के लिये अपर्याप्त हैं क्योंकि वे आपराधिक समूहों के बजाय व्यक्तियों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।
 - **गुजरात, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश** जैसे कुछ राज्यों ने **संगठित अपराध से निपटने के लिये अपने स्वयं के कानून लागू किये हैं।**
- भारत अंतरराष्ट्रीय संधियों और समझौतों का हस्ताक्षरकर्ता है जो विश्व स्तर पर संगठित अपराध को रोकने और समाप्त करने का प्रयास करता है। इनमें मुख्य रूप से UNODC, UNCAC तथा UNTOC शामिल हैं।

आगे की राह

- **ब्लॉकचेन फोरेंसिक:** अवैध **क्रिप्टोकॉइन्स** के प्रवाह की निगरानी के लिये **ब्लॉकचेन तकनीक** का उपयोग किया जाना चाहिये, जो TOC के लिये राजस्व में वृद्धि करने का एक स्रोत है।
- **उन्नत अनुरेखण विधियाँ (Advanced Tracing Methods)** के माध्यम से धन शोधन (Money Laundering) नेटवर्क की पहचान कर उन्हें समाप्त किया जाना चाहिये।
- **डार्क वेब घुसपैठ:** **डार्क वेब** पर नेवगिट करने, TOC द्वारा उपयोग किये जाने वाले ऑनलाइन मार्केटप्लेस में घुसपैठ करने और उनके संचालन पर महत्वपूर्ण खुफिया जानकारी एकत्रित करने के लिये प्रशिक्षित विशेष इकाइयों वकिसति की जानी चाहिये।
- **पारदर्शिता पहल:** रशिवतखोरी और TOC के साथ मल्लिभगत के अवसरों को कम करने के लिये सरकारी संस्थानों में पारदर्शिता उपायों का समर्थन एवं प्रचार किया जाना चाहिये।
 - नागरिकों को सुरक्षित चैनलों के माध्यम से भ्रष्टाचार की रिपोर्ट करने के लिये सशक्त बनाया जाना चाहिये।
- **राजनीतिक इच्छाशक्ति:** इस बात की व्यापक समझ वकिसति की जानी चाहिये कि कैसे अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध और भ्रष्टाचार वैश्विक सार्वजनिक प्रणालियों को कमजोर करते हैं।
 - बहुपक्षीय साधनों के माध्यम से **प्रभावी अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिये राजनीतिक इच्छाशक्ति** का निर्माण करना चाहिये।

- संघर्ष की रोकथाम, शांति संचालन और शांति निर्माण प्रयासों में अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध से निपटने के लिये रणनीतियों को एकीकृत किया जाना चाहिये।
 - वकिलात्मात्मक, मानवाधिकारों और सुरक्षा नहितार्थों को संबोधित करते हुए आपराधिक न्याय प्रतिक्रियाओं से परे एक समग्र दृष्टिकोण को अपनाने का प्रयास किया जाना चाहिये।
- वास्तविक समय संलयन केंद्र: डेटा के त्वरित विश्लेषण, रुझानों की पहचान और संगठित आपराधिक गतिविधि पर समन्वित प्रतिक्रियाओं के लिये कानून प्रवर्तन, खुफिया एजेंसियों तथा नज्दी क्षेत्र के भागीदारों के बीच तत्काल सहयोग की सुविधा के लिये वास्तविक समय संलयन केंद्र का निर्माण किया जाना चाहिये।

????? ???? ????:

प्रश्न. सतत विकास पर अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध के प्रभाव का आकलन विशेष रूप से 2030 सतत विकास एजेंडा के संदर्भ में कीजिये। साथ ही यह बताइए कि TOC के अवैध मुनाफे को लक्षित करने से विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में कैसे सहायता मिल सकती है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????:

प्रश्न. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजिये : (2019)

1. भ्रष्टाचार के वरिद्ध संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन [यूनाइटेड नेशंस कन्वेंशन अर्गेस्ट करप्शन (UNCAC)] का भूमि, समुद्र और वायुमार्ग से प्रवासियों की तस्करी के वरिद्ध एक प्रोटोकॉल' होता है।
2. UNCAC अब तक का सबसे पहला वधिति: बाध्यकारी सार्वभौम भ्रष्टाचार-नरीधी लखित है।
3. राष्ट्र-पार संगठित अपराध के वरिद्ध संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन [यूनाइटेड नेशंस कन्वेंशन अर्गेस्ट ट्रांसनैशनल ऑर्गेनाइज़्ड क्राइम (UNTOC)] की एक वशिषिटता ऐसे एक वशिषिट अध्याय का समावेशन है, जसिका लक्ष्य उन संपत्तियों को उनके वैध स्वामियों को लौटाना है, जनिसे वे अवैध तरीके से ले ली गई थीं।
4. मादक द्रव्य और अपराध वशिषिक संयुक्त राष्ट्र कार्यालय [यूनाइटेड नेशंस ऑफिस ऑन ड्रग्स ऐंड क्राइम (UNODC)] संयुक्त राष्ट्र के सदस्य राज्यों द्वारा UNCAC और UNTOC दोनों के कार्यान्वयन में सहयोग करने के लिये अधदिशति है।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

- (a) केवल 1 और 3
- (b) केवल 2, 3 और 4
- (c) केवल 2 और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (c)

??????:

प्रश्न. संसार के दो सबसे बड़े अवैध अफीम उगाने वाले राज्यों से भारत की नकितता ने भारत की आंतरिक सुरक्षा चिंताओं को बढ़ा दिया है। नशीली दवाओं के अवैध व्यापार एवं बंदूक बेचने, गुपचुप धन वदिश भेजने और मानव तस्करी जैसी अवैध गतिविधियों के बीच कड़ियों को स्पष्ट कीजिये। इन गतिविधियों को रोकने के लिये क्या-क्या प्रतरीधी उपाय किये जाने चाहिये? (2018)